Z\_¨weeiYx b¤^i : 2556

 **grm¨ I cÖvwYm¤ú` cÖwZgš¿xi mv‡\_ Av‡R©w›Ubvi G‡MÖv-BÛvw÷ª welqK gš¿xi mvÿvr**

XvKv, 31 Avlvp (15 RyjvB) :

grm¨ I cÖvwYm¤ú` cÖwZgš¿x Avkivd Avjx Lvb Lmiæi mv‡\_ AvR Zuvi `ß‡i Av‡R©w›Ubvi G‡MÖv-BÛvw÷ª welqK gš¿x Luis Etchevehere Gi †bZ…‡Z¡ 6-m`m¨wewkó GKwU cÖwZwbwa`j ˆeVK K‡ib|

Av‡R©w›Ubvi gš¿x evsjv‡`‡k Miæi gvsm ißvwbi cÖ¯Ívemn evsjv‡`‡ki cÖvwYm¤ú‡`i Dbœq‡b mn‡hvwMZvi Avk¦vm †`b| wKš‘ grm¨ I cÖvwYm¤ú` cÖwZgš¿x †`‡ki cÖvwYm¤ú‡` ¯^qsm¤ú‚Y©Zv AR©‡bi K\_v Zuv‡K Rvwb‡q e‡jb, †`‡k we‡`wk gvsm Avg`vwbi cÖ‡qvRb †bB| wZwb e‡jb, G‡`‡k mvaviYfv‡e we‡`wk gvs‡mi Avg`vwb wbwl× \_vK‡jI †PBbkcmn dvBf ÷vi †nv‡U‡j we‡`wk Awaevmx‡`i Rb¨ we‡`wk gvs‡mi mxwgZ AbygwZ i‡q‡Q|

Av‡R©w›Ubvi gš¿x evsjv‡`‡ki cÖvwYm¤ú‡`i Dbœqb QvovI evsjv‡`‡ki cÖvwYm¤ú‡`i †R‡bwUK Dbœqb, †ivMevjvB ‡iv‡ai j‡¶¨ wWwRR g¨v‡bR‡g›U, GdGgwWmn wewfbœ wUKv ißvwbi Rb¨I cÖ¯Íve †`b| cÖwZgš¿x Zv‡`i Gme cÖ¯Ív‡e mvov w`‡q `Õz‡`‡ki Av‡iv m¤úK© e…w×i Ici †Rvi †`b|

Av‡R©w›Ubvi cÖwZwbwa`‡ji Ab¨ m`m¨iv n‡jb, evsjv‡`‡k wbhy³ Av‡R©w›Ubvi ivóÖ`‚Z Daniel Chuburu, G‡Mªv-BÛvwUªqvj gv‡K©‡Ui hyM¥mwPe Jesus Sylveira, Tobias De Marcos, Gustavo Idigoras ও Mariano Beheran.

evsjv‡`‡ki c‡¶ Ab¨v‡b¨i g‡a¨ wQ‡jb gš¿Yvj‡qi mwPe iBQDj Avjg gÐj, AwZwi³ mwPe KvRx Iqvwm DwÏb, my‡evj †evm gwb, grm¨ Awa`dZ‡ii wWwR Avey mvB` †gvt iv‡k`zj nK, cÖvwYm¤ú` Awa`dZ‡ii wWwR nx‡ik iÄb †fŠwgK cÖgyL|

#

kvn Avjg/gvngy`/‡gvkvid/AveŸvm/2019/2205 NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i : 2555

 **†Uªb-gvB‡µvevm msN‡l© wbn‡Zi NUbvq †ijc\_ gš¿xi †kvK**

XvKv, 31 Avlvp (15 RyjvB) :

AvR wmivRMÄ †Rjvi Djøvcvovq GKwU Abby‡gvw`Z I AiwÿZ †ijµwms‡q PjšÍ †Uª‡bi av°vq gvB‡µvev‡mi 8 Rb hvÎx wbnZ nIqvq †ijc\_ gš¿x †gvt b~iæj Bmjvg myRb Mfxi †kvK I `ytL cÖKvk K‡i‡Qb|

gš¿x wbnZ‡`i AvZ¥vi gvMwdivZ Kvgbv K‡ib Ges Zv‡`i †kvKmšÍß cwiev‡ii cÖwZ Mfxi mg‡e`bv Rvbvb|

#

kwidzj/gvngy`/‡gvkvid/AveŸvm/2019/2128 NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i : 2554

**KvwiMwi wkÿv eva¨Zvg~jK Kiv n‡e**

 **--- wkÿvgš¿x**

XvKv, 31 Avlvp (15 RyjvB) :

 wkÿvgš¿x Wv. `xcy gwb e‡j‡Qb, 2021 mv‡ji g‡a¨ †`‡ki mKj evsjv I Bs‡iRx gva¨‡gi ¯‹yj I gv`ªvmvq KvwiMwi wkÿv eva¨Zvg~jK Kiv n‡e|

 gš¿x AvR ivRavbxi e½eÜy AvšÍR©vwZK m‡¤§jb †K‡›`ª RvZxq `ÿZv Dbœqb KZ©…cÿ Av‡qvwRZ wek¦ hye `ÿZv w`em 2019 Dcj‡ÿ Av‡qvwRZ GK Av‡jvPbv mfvq cÖavb AwZw\_i e³„Zvq G K\_v e‡jb| Av‡jvPbv mfvq cÖavbgš¿xi Kvh©vj‡qi mwPe mv¾v`yj nvmv‡bi mfvcwZ‡Z¡ we‡kl AwZw\_ wn‡m‡e Dcw¯’Z wQ‡jb cÖevmx Kj¨vY I ˆe‡`wkK Kg©ms¯’vb gš¿x Bgivb Avng` cÖgyL|

 wkÿvgš¿x e‡jb, Avgiv eZ©gv‡b GK ai‡bi Amy¯’ cÖwZ‡hvwMZvi g‡a¨ AvwQ| Avgiv wRwcG - 5 cvIqvi cÖwZ‡hvwMZvq wjß| A\_P Avgv‡`i `iKvi wkÿvRxeb †k‡l Kg©‡ÿ‡Î Avgiv KZUv `ÿZv †`Lv‡Z cvwi Zvi wePvi Kiv|

 wek¦ hye `ÿZv w`em Dcj‡ÿ AvR GK m‡PZbZvg~jK i¨vwj AbywôZ nq| wkÿvgš¿xi †bZ…‡Z¡ i¨vwjwU msm` fe‡bi `wÿY cøvRv †\_‡K ïiæ n‡q e½eÜy AvšÍR©vwZK m‡¤§jb †K‡›`ª wM‡q †kl nq| w`emwUi Gev‡ii cÖwZcv`¨ n‡”Q ÔRxeb I Kv‡Ri Rb¨ wkL‡Z †kLvÕ|

#

Lv‡qi/gvngy`/mÄxe/Rqbyj/2019/2130NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i : 2553

†Rjv cÖkvmK m‡¤§j‡b Z\_¨gš¿x

**mKj bvMwi‡Ki mzi¶vi Rb¨B wWwRUvj wbivcËv AvBb**

XvKv, 31 Avlvp (15 RyjvB) :

Z\_¨gš¿x W. nvQvb gvn&gz` e‡j‡Qb, Ô†Kv‡bv we‡kl †ckvRxex‡`i Rb¨ bq, †`‡ki cÖ‡Z¨K bvMwi‡Ki mzi¶vi Rb¨B wWwRUvj wbivcËv AvBb| B›Uvi‡bU Ges †ivewU·wfwËK GB PZz\_© wkí wecø‡ei hy‡M e¨w³, cÖwZôvb I iv‡óÖi wbivcËv weav‡b G AvBb AZ¨šÍ hy‡Mvc‡hvMxÕ|

AvR gwš¿cwil` wefv‡M Pjgvb †Rjv cÖkvmK m‡¤§j‡b Z\_¨ gš¿Yvj‡qi Rb¨ wba©vwiZ ˆeV‡Ki ci mvsevw`K‡`i cÖ‡kœi DË‡i gš¿x G K\_v Rvbvb| G mgq wZwb e‡jb, ÔAvgiv †Rjv cÖkvmK‡`i Kv‡Q welqwU cwi¯‹vifv‡e Zz‡j a‡iwQ †h, mvgvwRK †hvMv‡hvM gva¨‡gi ùzi‡Yi G hz‡M GKRb K…lK, PvKzwiRxex, e¨emvqx ev mvsevw`K -†hB †nvb bv †Kb, hw` †Kv‡bv wWwRUvj cøvUd‡g© AmZ¨ gvbnvwbi wkKvi nb, wWwRUvj wbivcËv AvBbB Zv‡K mzi¶v w`‡Z cv‡i| GKB mv‡\_ G AvB‡bi AccÖ‡qvM ‡iv‡aI mevB‡K mZK© \_vK‡Z n‡eÕ|

AbjvBb MYgva¨g m¤ú‡K© cÖ‡kœi DË‡i Z\_¨gš¿x e‡jb, ÔwWwRUvj evsjv‡`‡k AbjvBb MYgva¨g GKwU ev¯ÍeZv| †m wbwi‡LB Avgiv Pjgvb AbjvBb MYgva¨g¸‡jv‡K wbeÜ‡bi Rb¨ 15 RzjvB‡qi g‡a¨ Av‡e`b Kivi AvnŸvb Rvwb‡qwQjvg| c‚‡e©i `zÕnvRv‡ii AwaK Av‡e`‡bi mv‡\_ bZzb Av‡iv cÖvq wZb nvRvi Av‡e`b Rgv c‡o‡Q e‡j Rvbv †M‡Q| wba©vwiZ cÖwµqv AbzmiY K‡i Av‡e`b¸‡jv hvPvB-evQvB Kiv n‡”Q| GwU GKwU Pjgvb cÖwµqvÕ|

Ô†`‡k †Ke&j †bUIqvK© cwiPvjbvi AvBb \_vK‡jI Zvi cÖ‡qvM wQj bvÕ D‡jøL K‡i W. nvQvb gvn&gy` e‡jb, †`wk †Uwjwfkb wkí i¶v Ges †Ke&j †bUIqv‡K©i mzôz cwiPvjbv wbwðZ Ki‡Z †mB AvBb cÖ‡qv‡M Avgiv †gvevBj †KvU© cwiPvjbv KiwQ †hLv‡b mKj †Rjv cÖkvmK cÖ‡qvRbxq c`‡¶c wb‡”Q| †Ke&j †bUIqv‡K© †`wk P¨v‡bj¸‡jv m¤cÖPvi Zvwi‡Li µgvbzmv‡i cÖ\_‡g ivLv, ¯’vbxqfv‡e A‰ea wm‡bgv I weÁvcb cÖPvi Ges A‰ea weÁvcbgz³ we‡`wk P¨v‡bj m¤cÖPv‡ii Rb¨ Z\_¨ gš¿Yvj‡qi D‡`¨v‡M me©vZ¥K mn‡hvwMZv Kivq †Rjv cÖkvmK‡`i Avgiv ab¨ev` Rvwb‡qwQ|

Ô†`‡ki cÖwZwU †Rjvq †cÖ¶vM…n Ges Z\_¨ I †hvMv‡hvM cÖhzw³i AvazwbK mzweavmn Z\_¨ Kg‡cø· M‡o †Zvjvi cÖKí kxNÖB Av‡jvi gzL †`L‡eÕ, Rvbvb gš¿x|

ms¯‹…wZ welqK cÖwZgš¿x †K Gg Lvwj`, Z\_¨mwPe Ave`zj gv‡jK, ms¯‹…wZ mwPe W. †gvt Avez †nbv †gv¯Ídv Kvgvjmn gwš¿cwil` wefv‡Mi EaŸ©Zb Kg©KZ©viv G mgq Dcw¯’Z wQ‡jb|

#

AvKivg/gvngy`/mÄxe/AveŸvm/2019/2046 NÈv

**তথ্যবিবরণী নম্বর : ২৫৫১**

**বন্যা ও দুর্যোগ সংক্রান্ত প্রতিবেদন**

**ঢাকা, ৩১ আষাঢ় (১৫ জুলাই) :**

 **দুর্যোগ ব্যবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রণালয়ের ন্যাশনাল ডিজাস্টার রেসপন্স কো-অর্ডিনেশন সেন্টারের প্রতিবেদন অনুযায়ী আজ সারা দেশে বন্যা ও দুর্যোগ পরিস্থিতি নি¤œরূপ :**

**সমুদ্র বন্দরসমূহের জন্য সতর্ক সংকেতঃ সমুদ্র বন্দরসমূহের জন্য কোন সংকেত নাই।**

**আজ সন্ধ্যা ৬টা পর্যন্ত দেশের অভ্যন্তরীণ নদী বন্দরসমূহের জন্য আবহাওয়ার পূর্বাভাস:**

রংপুর, দিনাজপুর, রাজশাহী, পাবনা, বগুড়া, টাংগাইল, ময়মনসিংহ, ঢাকা, ফরিদপুর, মাদারিপুর, কুমিল্লা এবং সিলেট অঞ্চলসমূহের উপর দিয়ে দক্ষিণ/দক্ষিণ-পূর্বদিক থেকে ঘন্টায় ৪৫-৬০কি.মি. বেগে বৃষ্টি অথবা বজ্রবৃষ্টিসহ অস্থায়ীভাবে দমকা/ঝড়োহাওয়া বয়ে যেতে পারে। এসব এলাকার নদীবন্দর সমূহকে ১নম্বর (পুনঃ)

১ নম্বর সতর্ক সংকেত দেখাতে বলা হয়েছে।

আজ সকাল ০৯টা থেকে পরবর্তী ২৪ ঘন্টার আবহাওয়ার পূর্বাভাস:

**সিনপটিক অবস্থা**: **মৌসুমী অক্ষের বর্ধিতাংশ পাঞ্জাব, হরিয়ানা, উত্তরপ্রদেশ, বিহার, বাংলাদেশের উত্তরাঞ্চল অতিক্রম করে হিমালয়ের পাদ দেশীয় পশ্চিমবঙ্গ হয়ে আসাম পর্যন্ত বিস্তৃত রয়েছে । এর একটি বর্ধিতাংশ উত্তর বঙ্গোপসাগর পর্যন্ত বিস্তৃত রয়েছে । মৌসুমী বায়ু বাংলাদেশের উত্তরাঞ্চলের উপর সক্রিয়ও অন্যত্র মোটামুটি সক্রিয় এবং উত্তর বঙ্গোপসাগরে দূর্বল থেকে মাঝারি অবস্থায় রয়েছে।**

**পূর্বাভাস**: **রংপুর, ময়মনসিংহ ও সিলেট বিভাগের অধিকাংশ জায়গায়; ঢাকা, রাজশাহী ও চট্টগ্রাম বিভাগের কিছু কিছু জায়গায় এবং খুলনা ও বরিশাল বিভাগের দু’এক জায়গায় অস্থায়ীভাবে দমকা হাওয়াসহ হালকা থেকে মাঝারি ধরণের বৃষ্টি অথবা বজ্রসহ বৃষ্টি হতে পারে। সেইসাথে দেশের উত্তরাঞ্চলের কোথাও কোথাও মাঝারি ধরনের ভারী থেকে অতিভারী বর্ষণ হতে পারে।**

**তাপমাত্রা**: **সারাদেশে দিন এবং রাতের তাপমাত্রা সামান্য বৃদ্ধি পেতে পারে।**

**পরবর্তী ৭২ ঘন্টার আবহাওয়ার অবস্থা (৩দিন): উল্লেখযোগ্য পরিবর্তন নেই।**

**এক নজরে নদ-নদীর পরিস্থিতি**

* সুরমা-কুশিয়ারা ব্যতীত দেশের সকল প্রধান নদ-নদীসমূহের পানি সমতলবৃদ্ধি পাচ্ছে।
* বাংলাদেশ আবহাওয়া অধিদপ্তর ও ভারত আবহাওয়া অধিদপ্তরের তথ্য অনুযায়ী, বাংলাদেশের উত্তরাঞ্চল, উত্তর-পূর্বাঞ্চল এবং তৎসংলগ্ন ভারতের আসাম ও মেঘালয় প্রদেশসমূহের বিস্তৃত এলাকায় আগামী ২৪ ঘণ্টায় মাঝারী হতে ভারী এবং কোথাও কোথাও অতি ভারী বৃষ্টিপাতের সম্ভাবনা রয়েছে। এছাড়া দেশের উত্তর-পশ্চিমাঞ্চল সংলগ্ন ভারতের বিহার এবং নেপালে মাঝারি থেকে ভারী বৃষ্টিপাতের সম্ভাবনা রয়েছে।
* আগামী ৭২ ঘণ্টায় ব্রহ্মপুত্র-যমুনা ও গঙ্গা-পদ্মা নদীসমূহের পানি সমতলবৃদ্ধি অব্যাহত থাকতে পারে এবং আগামী ২৪ ঘণ্টায় ধলেশ্বরী নদী এলাশিন পয়েন্টে বিপদসীমা অতিক্রম করতে পারে।
* আগামী ২৪ ঘণ্টায় লালমনিরহাট, কুড়িগ্রাম, জামালপুর, গাইবান্ধা, বগুড়া ও সিরাজগঞ্জ জেলায় বন্যা পরিস্থিতির অবনতি হতে পারে, অপরদিকে নেত্রকোণা, সুনামগঞ্জ ও সিলেট জেলায় বন্যা পরিস্থিতি স্থিতিশীল থাকতে পারে।
* চট্রগ্রাম ও বান্দরবন জেলায় বন্যা পরিস্থিতির আগামী উন্নতি ২৪ ঘণ্টায় অব্যাহত থাকতে পারে।

**নদ-নদীর অবস্থা (আজ সকাল ০৯:০০ টা পর্যন্ত)**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **পর্যবেক্ষণাধীন পানি সমতল স্টেশন** | **৯৩** | **বিগত ২৪ ঘন্টায় পানি সমতল অপরিবর্তিত**  | **০২** |
| **বিগত ২৪ ঘন্টায় পানি সমতল বৃদ্ধি** | **৬৮** | **\*মোট তথ্য পাওয়া যায়নি** | **০১** |
| **বিগত ২৪ ঘন্টায় পানি সমতল হ্রাস** | **২২** | বিপদসীমার উপরে | ২৬ |

**বিপদসীমার উপর দিয়ে প্রবাহিত স্টেশন (৩১ আষাঢ় ১৪২৬ বঙ্গাব্দ/১৫ জুলাই ২০১৯ খৃঃ সকাল ৯.০০ টার তথ্য অনুযায়ী):**

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| জেলার নাম | পানি সমতল স্টেশন | নদীর নাম | আজকের পানি সমতল (মিটার) | বিগত ২৪ ঘন্টায়বৃদ্ধি(+)/হ্রাস(-) (সে.মি.) | বিপদসীমা (মিটার) | বিপদসীমার উপরে (সে.মি.) |
| সিলেট | কানাইঘাট | সুরমা | ১৩.২৫ | -২৪ | ১২.২৫ | +১১০ |
| সিলেট | সুরমা | ১০.৭৬ | ০০ | ১০.১৫ | +৬১ |
| অমলশীদ | কুশিয়ারা | ১৬.৪১ | -১৫ | ১৪.৯৫ | +১৪৬ |
| শেওলা | কুশিয়ারা | ১৩.৪৫ | -০৩ | ১২.৫০ | +৯৫ |
| শেরপুর-সিলেট | কুশিয়ারা | ৮.৫৬ | +৬ | ৮.০৫ | +৫১ |
| সুনামগঞ্জ | সুনামগঞ্জ | সুরমা | ৭.৯৯ | +০১ | ৭.২০ | +৭৯ |
| মৌলভীবাজার | মনু রেলওয়ে ব্রিজ | মনু | ১৭.৬৩ | +৫৬ | ১৭.১৫ | +৪৮ |
| মৌলভীবাজার | মনু | ১১.৫৪ | +৪৩ | ১০.৭০ | +৮৪ |
| কমলগঞ্জ | ধলাই | ১৯.০৪ | -০৬ | ১৮.৮৫ | +১৯ |
| হবিগঞ্জ | বাল্লা | খোয়াই | ২২.৪৩ | -৩০ | ২১.৪০ | +১০৩ |
| হবিগঞ্জ | খোয়াই | ৯.৬০ | +১২০ | ৯.৫০ | +১০ |
| দিরাই | পুরাতন সুরমা | ৬.৫৫ | +১১ | ৬.৫০ | +০৫ |
| নেত্রকোনা | কলমাকান্দা | সোমেশ্বরী | ৭.২৫ | -০১ | ৬.৬০ | +৬৫ |
| জারিয়াজঞ্জাইল | কংস | ১০.৩৮ | +০৫ | ৯.৯৫ | +৪৩ |
| কুড়িগ্রাম | কুড়িগ্রাম | ধরলা | ২৭.৫৮ | +৩০ | ২৬.৫০ | +১০৮ |
| নুনখাওয়া | ব্রহ্মপুত্র | ২৭.২১ | +৩৩ | ২৬.৫০ | +৭১ |
| চিলমারী | ব্রহ্মপুত্র | ২৪.৭২ | +৩০ | ২৩.৭০ | +১০২ |
| লালমনিরহাট | কাওনিয়া | তিস্তা | ২৯.৩৬ | -০৬ | ২৯.২০ | +১৬ |
| গাইবান্ধা | গাইবান্ধা | ঘাগট | ২২.৩৮ | +১৯ | ২১.৭০ | +৬৮ |
| ফুলছড়ি | যমুনা | ২০.৮৮ | +৩২ | ১৯.৮২ | +১০৬ |
| জামালপুর | বাহাদুরাবাদ | যমুনা | ২০.৬৯ | +৩৮ | ১৯.৫০ | +১১৯ |
| বগুড়া | সারিয়াকান্দি | যমুনা | ১৭.৩৯ | +৩২ | ১৬.৭০ | +৬৯ |
| সিরাজগঞ্জ | কাজিপুর | যমুনা | ১৫.৭০ | +৩৬ | ১৫.২৫ | +৪৫ |
| সিরাজগঞ্জ | যমুনা | ১৩.৫১ | +৩২ | ১৩.৩৫ | +১৬ |
| বান্দরবান | বান্দরবন | সাঙ্গু | ১৫.৬৫ | -২৬৫ | ১৫.২৫ | +৪০ |
| চট্টগ্রাম | দোহাজারি | সাঙ্গু | ৮.০০ | -৬০ | ৭.০০ | +১০০ |

**বৃষ্টিপাতের তথ্য**:

গত ২৪ ঘন্টায় বাংলাদেশে উল্লেখযোগ্য বৃষ্টিপাত (গত কাল সকাল ০৯:০০ টা থেকে আজ সকাল ০৯:০০ টা পর্যন্ত) :

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **স্টেশন** | **বৃষ্টিপাত (মি.মি.)** | **স্টেশন** | **বৃষ্টিপাত (মি.মি.)** | **স্টেশন** | **বৃষ্টিপাত (মি.মি.)** |
| দেওয়ানগঞ্জ | ১৫০.০ | দুর্গাপুর | ১৩৫.০ | নাকুয়াগাঁও | ১৩০.০ |
| ভৈরব বাজার | ১৩০.০ | নরসিংদী | ১০৯.০ | কমলগঞ্জ | ১০৩.০ |
| গাইবান্ধা | ৯৬.০ | জামালপুর | ৯২.০ | জাফলং | ৯১.০ |

**বন্যা সংক্রান্ত তথ্য**:

**অতিবৃষ্টি ও উজান থেকে নেমে আসা পানির কারণে দেশের ১৫টি জেলায় বন্যার আশংকা দেখা দিয়েছে। সংশ্লিষ্ট জেলার জেলা প্রশাসনের কাছ থেকে প্রাপ্ত তথ্য অনুযায়ী জেলাগুলোর বর্তমান অবস্থাঃ**

**১। চট্টগ্রাম**:

**(ক) বন্যা পরিস্থিতির তথ্য:**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| বন্যা পরিস্থিতির বিবরণ | ক্ষয়ক্ষতির বিবরণ | প্রাণহানির সংখ্যা  | মন্তব্য |
| গত ৫ জুলাই হতে অবিরাম ভারী বর্ষণ ও পাহাড়ি ঢলে চট্টগ্রাম জেলার ১৪ টি উপজেলার মধ্যে সাতকানিয়া উপজেলার ৯০ ভাগ, চন্দনাইশ উপজেলার ৯০ ভাগ, রাউজান উপজেলার ৬০ ভাগ,ফটিকছড়ি উপজেলার ৫০ ভাগ এলাকা প্লাবিত হয়েছে। তাছাড়া অন্যান্য উপজেলার আংশিক প্লাবিত হয়েছে। সাতকানিয়া ও চন্দনাইশ উপজেলার মহাসড়কগুলোর উপর দিয়ে ২ ফুট উচ্চতায় পানি প্রবাহিত হচ্ছে। ফলে এই দুটি উপজেলার সাথে ইউনিয়নসমূহের এবং জেলা হেড কোয়ার্টারের যোগাযোগ প্রায় বিচ্ছিন্ন রয়েছে।সাঙ্গু নদী দোহাজারী পয়েন্টে ৯০ সে.মি. বিপদসীমার উপর দিয়ে প্রবাহিত | ১। ক্ষতিগ্রস্ত উপজেলাঃ ১৪টি,২। ক্ষতিগ্রস্ত ইউনিয়ন ১৪৩টি ৩। ক্ষতিগ্রস্ত পৌরসভাঃ ১০টি৪। ক্ষতিগ্রস্ত সিটি কর্পোরেশনের ওয়ার্ডঃ ৪টি৫। দুর্গত জনসংখ্যাঃ ৪,৫২,৩২৫ জন। ৬। ক্ষতিগ্রস্ত ঘরবাড়ীঃ ৬৭২টি ( সম্পূর্ণ) ৯,০৮৫টি (আংশিক) | বন্যায় ২ জন মারা গিয়াছে (চন্দনাইশ উপজেলায় ১০ বছরের ১টি শিশু এবং ফটিকছড়ি উপজেলায় ৯বছরের ১টি শিশু )।চট্টগ্রগাম মহানগরের ৩টি স্থানে পাহাড় ধসের সময় একই পরিবারের ২ জন (মা ও মেয়ে) আহত হয়েছে। | চট্টগ্রাম মহানগরীতে পাহাড়ের পাদদেশ হতে ঝুঁকিপূর্ণ ভাবে বসবাসকারী প্রায় ৫০০০ জনকে ৮টি আশ্রয়কেন্দ্রসহ অন্যান্য নিরাপদ স্থানে স্থানান্তর করা হয়েছে। রাউজান উপজেলার বন্যার পরিস্থিতির উন্নতি হয়েছে।আজ হতে বৃষ্টিপাত বন্ধ রয়েছে। |

**(খ) দুর্যোগ ব্যাবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রনালয় হতে বরাদ্দকৃত ত্রাণের বিবরণ**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| জিআর ক্যাশ (টাকা)  | জিআর চাল (মেঃটন)  | শুকনা ও অন্যান্য খাবার (কার্টুন)  | তাঁবু (সেট) |
| ১৩,০০,০০০ (তের লক্ষ) | ৫০০ (পাঁচ শত) | ২,০০০ (দুই হাজার) | ৫০০ (পাঁচ শত) |

**২। বান্দরবান**:

**(ক) বন্যা পরিস্থিতির তথ্য**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| বন্যা পরিস্থিতির বিবরণ | ক্ষয়ক্ষতির বিবরণ | প্রাণহানির সংখ্যা  | মন্তব্য |
| অতি বৃষ্টি ও আকষ্মিক বন্যায় মারাত্মকভাবে প্লাবনের সৃষ্টি হয়েছে। এছাড়া বিভিন্নস্থানে পাহাড় ধ্বসের ঘটনা ঘটেছে।  | \* ক্ষতিগ্রস্ত উপজেলাঃ ৫টি\* ক্ষতিগ্রস্ত ঘরবাড়ীঃ ১০০টি (সম্পূর্ণ) \* বিপুল সংখ্যক গাছপালা, ঘরবাড়ী, বিদ্যুতের খুঁটি বিনষ্ট হয়েছে।\* বান্দরবানের সাথে চট্টগ্রামের সড়ক যোগাযোগ বিচ্ছিন্ন রয়েছে।  | রুমা উপজেলায় তীব্র স্রোতে ভেসে ২জন ব্যক্তি নিখোঁজ হয়েছে।  | ১৩১টি আশ্রয়কেন্দ্র খোলা হয়েছে। ৫০০০জনকে আশ্রয়কেন্দ্রে আশ্রয় দেওয়া হয়েছে।  |

**(খ) দুর্যোগ ব্যাবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রনালয় হতে বরাদ্দকৃত ত্রাণের বিবরণ**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| জিআর ক্যাশ (টাকা)  | জিআর চাল (মেঃটন)  | শুকনা ও অন্যান্য খাবার (কার্টুন)  | তাঁবু (সেট) |
| ৭,৫০,০০০ ( সাত লক্ষ পঞ্চাশ হাজার) | ৪৫০ (চার শত পঞ্চাশ) | ২,০০০ (দুই হাজার) | ৫০০ (পাঁচ শত) |

**৩। খাগড়াছড়ি:**

**(ক) বন্যা পরিস্থিতির তথ্য**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| বন্যা পরিস্থিতির বিবরণ | ক্ষয়ক্ষতির বিবরণ | প্রাণহানির সংখ্যা  | মন্তব্য |
| অতি বৃষ্টি ও আকষ্মিক বন্যায় মারাত্মকভাবে প্লাবনের সৃষ্টি হয়েছে। এছাড়া বিভিন্নস্থানে পাহাড় ধ্বসের ঘটনা ঘটেছে।  | ১। ক্ষতিগ্রস্ত উপজেলাঃ ৪টি২। ক্ষতিগ্রস্ত ইউনিয়ন/পৌরসভা ১৩টি৩। ক্ষতিগ্রস্ত গ্রামঃ ১০৮টি৪। দুর্গত লোক সংখ্যাঃ ৪০,৩৮০জন  | কোন প্রানহানির খবর পাওয়া যায়নি।  | দিঘিনালা উপজেলার ৭টি আশ্রয়কেন্দ্রে ১৭৫টি পরিবারের ৮২২জন এবং রামগড় উপজেলার ১টি আশ্রয়কেন্দ্রে ২০টি পরিবারের ৭০জন আশ্রয় নিয়েছে। খাগড়াছড়ি সদর ও পানছড়ি উপজেলার বন্যা পরিস্থিতির উন্নতি হওয়ায় আশ্রয়কেন্দ্রে আশ্রিত লোকজন নিজ নিজ বাড়ীতে ফিরে গিয়েছে।  |

**(খ) দুর্যোগ ব্যাবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রনালয় হতে বরাদ্দকৃত ত্রাণের বিবরণঃ**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| জিআর ক্যাশ (টাকা)  | জিআর চাল (মেঃটন)  | শুকনা ও অন্যান্য খাবার (কার্টুন)  |
| ৩,০০,০০০ (তিন লক্ষ) | ২০০ (দুই শত) | - |

**৪। রাংগামাটি**:

**(ক) বন্যা পরিস্থিতির তথ্য**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| বন্যা পরিস্থিতির বিবরণ | ক্ষয়ক্ষতির বিবরণ | প্রাণহানির সংখ্যা  | মন্তব্য |
| রাংগামাটি পার্বত্য জেলায় গত ২৪ ঘন্টায় বৃষ্টিপাত হয়নি। আজ (১৫/০৭/২০১৯খ্রিঃ তারিখ) সকাল থেকে রৌদ্রজ্জল আবহাওয়া বিরাজ করছে। আশয়কেন্দ্র সমূহ হতে আশ্রিতরা নিজ নিজ গৃহে ফিরতে শুরু করেছে। বর্তমানে জেলার আকস্মিক বন্যা পরিস্থিতির উন্নতি হয়েছে। জেলার সার্বিক পরিস্থিতি স্বাভাবিক রয়েছে। | কাপ্তাই, নানিয়ারচর, কাউখালী, বাঘাইছড়ি, রাজস্থলিসহ কয়েকটি উপজেলায় আমন বীজতলা পানিতে নিমজ্জিত রয়েছে। বিভিন্ন মৌসুমী শাক সব্জি ও ফসলাদি এবং জুম ফসল ক্ষতিগ্রস্ত হয়েছে। জেলা সদরসহ কয়েকটি উপজেলায় বেশ কিছু স্থানীয় রাস্তা ও শিক্ষা প্রতিষ্ঠান ক্ষতিগ্রস্ত হয়েছে। উল্লেখ্য যে, অতিরিক্ত বর্ষণের ফলে আকস্মিক বন্যা ও ভূমিধসের ঝুঁকির কারণে রাংগামাটি পার্বত্য জেলার ১০টি উপজেলায় প্রায় ৬০০০ এর অধিক পরিবার প্রত্যক্ষ ও পরোক্তভাবে ক্ষতিগ্রস্ত হয়েছে।  | কোন প্রানহানির খবর পাওয়া যায়নি।  | জেলা ত্রাণ ভাণ্ডারে বর্তমানে ৭,৬০,০০০/- টাকা জিআর ক্যঅশ, ৩৩৫.০০ মেঃটন জিআর চাল এবং ৫০০ সেট তাবু মজুদ রয়েছে। |

**(খ) দুর্যোগ ব্যাবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রনালয় হতে বরাদ্দকৃত ত্রাণের বিবরণঃ**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| জিআর ক্যাশ (টাকা)  | জিআর চাল (মেঃটন)  | শুকনা ও অন্যান্য খাবার (কার্টুন)  | তাঁবু |
| ৮,০০,০০০ (আট লক্ষ) | ৫০০ (পাঁচশত) | ২০০০( দূই হাজার) | ৫০০টি |

**৫। কক্সবাজার:**

**(ক) বন্যা পরিস্থিতির তথ্য**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| বন্যা পরিস্থিতির বিবরণ | ক্ষয়ক্ষতির বিবরণ | প্রাণহানির সংখ্যা  | মন্তব্য |
| অতি বৃষ্টি ও আকষ্মিক বন্যায় মারাত্মকভাবে প্লাবনের সৃষ্টি হয়েছে।  | ১। ক্ষথিগ্রস্ত উপজেলাঃ ৭টি (আংশিক)২। ক্ষতিগ্রস্ত পৌরসভাঃ ৩টি (আংশিক) ৩। ক্ষতিগ্রস্ত ইউনিয়নঃ ৪৩টি (আংশিক)৪। পানিবন্দি পরিবারের সংখ্যাঃ ১০,৩,২৮টি৫। পানিবন্দি জনসংখ্যাঃ ৪১,২৮০ জন ৬। ক্ষতিগ্রস্ত বাঁধঃ ২.৫০ কিঃমিঃ ৭। ক্ষতিগ্রস্ত বীজতলাঃ ১৭৪০ হেক্টর (আংশিক)  | কোন প্রানহানির খবর পাওয়াযায়নি।  | লোকালয় থেকে পানি নামতে শুরু করেছে। সকল নদীর পানি বিপদসীমার নীচ দিয়ে প্রবাহিত হচ্ছে।  |

**(খ) দুর্যোগ ব্যাবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রনালয় হতে বরাদ্দকৃত ত্রাণের বিবরণ**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| জিআর ক্যাশ (টাকা)  | জিআর চাল (মেঃটন)  | শুকনা ও অন্যান্য খাবার (কার্টুন)  | তাঁবু (সেট) |
| ৮,০০,০০০ (আটলক্ষ)  | ৫০০ (পাঁচ শত) | ৪০০০ (চার হাজার)  | ৫০০ (পাঁচ শত) |

**৬। লালমনিরহাট**:

**(ক) বন্যা পরিস্থিতির তথ্য**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| বন্যা পরিস্থিতির বিবরণ | ক্ষয়ক্ষতির বিবরণ | প্রাণহানির সংখ্যা  | মন্তব্য |
| তিস্তা নদীর পানি বিপদসীমার ৪৮ সেমি এবং ধরলা নদীর পানি বিপদসীমার ৪২ সেমি উপর দিয়ে প্রবাহিত হচ্ছে। | ১। ক্ষতিপ্রস্ত উপজেলাঃ ৫টি ২। ক্ষতিগ্রস্ত ইউনিয়নঃ ১৭টি৩। ক্ষতিপ্রস্ত পরিবারের সংখ্যাঃ ৯,০৯৬টি | কোন প্রানহানির খবর পাওয়া যায়নি।  | জেলায় ১২ টি আশ্রয় কেন্দ্র খোলা হয়েছে। |

**(খ) দুর্যোগ ব্যাবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রনালয় হতে বরাদ্দকৃত ত্রাণের বিবরণ**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| জিআর ক্যাশ (টাকা)  | জিআর চাল (মেঃটন) | শুকনা ও অন্যান্য খাবার (কার্টুন)  | তাঁবু (সেট) |
| ৭,৫০,০০০ (সাত লক্ষ পঞ্চাশ হাজার)  | ৪৫০ ( চার শত পঞ্চাশ) | ৪,০০০ (চার হাজার)  | ৫০০ (পাঁচ শত) |

**৭। নীলফামারী**:

**(ক) বন্যা পরিস্থিতির তথ্য**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| বন্যা পরিস্থিতির বিবরণ | ক্ষয়ক্ষতির বিবরণ | প্রাণহানির সংখ্যা  | মন্তব্য |
| নীলফামারী জেলার ডিমলা উপজেলায় তিস্তা নদীর পানি বিপদসীমার ২৮ সে.মি নিচ দিয়ে প্রবাহিত হচ্ছে | ১। ক্ষতিগ্রস্ত উপজেলাঃ ২টি২। ক্ষতিগ্রস্ত জনসংখ্যাঃ ২৬৫২০ জন (ডিমলা উপজেলা) ১০০০ জন (জলঢাকা উপজেলা) | কোন প্রানহানির খবর পাওয়া যায়নি।  | ডিমলা উপজেলায় ৭টি, জলঢাকা উপজেলায় ১১টি মেডিকেল টিম কাজ করছে। |

**(খ) দুর্যোগ ব্যাবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রনালয় হতে বরাদ্দকৃত ত্রাণের বিবরণঃ**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| জিআর ক্যাশ (টাকা)  | জিআর চাল (মেঃটন) | শুকনা ও অন্যান্য খাবার (কার্টুন)  | তাঁবু (সেট) |
| ৭,৫০,,০০০ (সাত লক্ষ পঞ্চাশ হাজার )  | ৪৫০ (চারশত পঞ্চাশ) | ৪,০০০ (চার হাজার)  | ৫০০ (পাঁচ শত) |

**৮। সুনামগঞ্জ**:

**(ক) বন্যা পরিস্থিতির তথ্য**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| বন্যা পরিস্থিতির বিবরণ | ক্ষয়ক্ষতির বিবরণ | প্রাণহানির সংখ্যা  | মন্তব্য |
| সুরমা নদীর পানির উচ্চতা বিপদসীমার ৮৪ সেঃমিঃ এর উপর দিয়ে প্রবাহিত হচ্ছে। বৃষ্টিপাতের ফলে অধিকাংশ নদনদীর পানি বৃদ্ধি পেয়েছে।  | ১। ক্ষতিগ্রস্ত উপজেলাঃ ৭টি ২। ক্ষতিগ্রস্ত পরিবারের সংখ্যাঃ সুনামগঞ্জ সদর উপজেলার ২,৯৫০টি পরিবার, তাহিরপুর উপজেলার ৪,১০০টি পরিবার, বিশ্বম্ভরপুর উপজেলার ১,৪০০টি পরিবার, দোয়ারাবাজার উপজেলায় ২,৮৫০টি পরিবার এবং জামালগঞ্জ উপজেলায় ১,৮০০টি পরিবার। ৩। ক্ষতিগ্রস্ত লোকসংখ্যাঃ ১,০৪,০০০ জন৪। ক্ষতিগ্রস্ত ফসলঃ ১,৩৮৫ হেক্টর | বজ্রপাতে ২জন মৃত্যুবরণ করেছেন।  | জেলা ও উপজেলা পর্যায়ে কন্ট্রোল রুম খোলা হয়েছে। |

**(খ) দুর্যোগ ব্যাবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রনালয় হতে বরাদ্দকৃত ত্রাণের বিবরণ**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| জিআর ক্যাশ (টাকা)  | জিআর চাল (মেঃটন) | শুকনা ও অন্যান্য খাবার (কার্টুন)  | তাঁবু (সেট) |
| ১৩,০০,০০০ (তের লক্ষ)  | ৫০০ (পাঁচশত) | ৭,০০০ (সাত হাজার)  | ৫০০ (পাঁচ শত) |

**৯। নেত্রকোনা**:

**(ক) বন্যা পরিস্থিতির তথ্য**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| বন্যা পরিস্থিতির বিবরণ | ক্ষয়ক্ষতির বিবরণ | প্রাণহানির সংখ্যা  | মন্তব্য |
| বৃষ্টিপাত ও পাহাড়ী ঢলে নেত্রকোনা জেলার দূর্গাপুর উপজেলার উপর দিয়ে প্রবাহিত সোমেশ্বরী নদীর পানি বিপদসীমার উপর দিয়ে প্রবাহিত হচ্ছে। পানি বৃদ্ধি অব্যাহত রয়েছে।  | \* ক্ষতিগ্রস্ত উপজেলাঃ ৩টি  | বজ্রপাতে আজ সকালে কলমাকান্দা উপজেলার রংসাটি ইউনিয়নে ১২ বছরের একটি ছেলে মারা গিয়েছে। | স্থানীয় পর্যায়ে উদ্ধার টিম প্রস্তুত করা হয়েছে। উপজেলা দুর্যোগ ব্যবস্থাপনা কমিটির সভা আহ্বান করা, উপজেলা পর্যায়ে কন্ট্রোল রুম খোলা, বন্যা মোকাবিলায় স্বেচ্ছাসেবক টিম গঠন করা হয়েছে।দুর্গাপুর উপজেলায় ৪টি,কলমাকান্দায় ৩টি, এবংবারহাট্রায় ৩টি আশ্রয় কেন্দ্র খোলা হয়েছে।৩টি আশ্রয় কেন্দ্রে আনুমানিক ১৫০ জন লোক আশ্রয় নিয়েছে । |

**(খ) দুর্যোগ ব্যাবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রনালয় হতে বরাদ্দকৃত ত্রাণের বিবরণঃ**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| জিআর ক্যাশ (টাকা)  | জিআর চাল (মেঃটন) | শুকনা ও অন্যান্য খাবার (কার্টুন)  | তাঁবু (সেট) |
| ৮,০০,০০০ (আট লক্ষ)  | ৫০০ (পাঁচশত) | ৪,০০০ (চার হাজার)  | ৫০০ (পাঁচ শত) |

**১০। সিলেট**:

**(ক) বন্যা পরিস্থিতির তথ্য**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| বন্যা পরিস্থিতির বিবরণ | ক্ষয়ক্ষতির বিবরণ | প্রাণহানির সংখ্যা  | মন্তব্য |
| সাম্প্রতিক অবিরাম বৃষ্টি ও পাহাড়ী ঢলের ফলে বন্যার সৃষ্টি হয়েছে। জেলার সুরমা নদীর পানি কানাইঘাট পয়েন্টে ১১০ সে.মি., সিলেট পয়েন্টে ৬১ সে.মি এবং কুশিয়ারা নদীর শেওলা পয়েন্ট ৯৫ সে.মি., শেরপুর-সিলেট পয়েন্টে ৫১ সে.মি ও অমলশীদ পয়েন্টে ১৪৪ সে.মি. বিপদসীমার উপর দিয়ে প্রবাহিত হচ্ছে।  | \* ক্ষতিগ্রস্ত উপজেলাঃ ১২টি (গোয়াইনঘাট, জৈন্তাপুর, কোম্পানীগঞ্জ, ফেঞ্চুগঞ্জ, বালাগঞ্জ ও কানাইঘাট সিলেট সদর,জকিগঞ্জ, বিশ্বনাত, গোলাপগঞ্জ, বিযানীবাজার ,ওসমানিনগর) \* ক্ষতিগ্রস্ত ইউনিয়নঃ ৬০টি \*ক্ষতিগ্রস্ত লোকসংখ্যাঃ২,৯৬,৩৩৫জন\* ক্ষতিগ্রস্ত ঘরবাড়িঃ সম্পূর্ণ ১০১৫ টি, আংশিক ৫৩৯৬টি | ১ জন ব্যক্তি নিখোঁজ রয়েছে। | সিলেট সদরে ১টি আশ্রয়কেন্দ্রে ৮০টি এবং গোলাপগঞ্জ উপজেলায় ১টি আশ্রয়কেন্দ্রে ৫টি পরিবার আশ্রয় নিয়েছে। |

**(খ) দুর্যোগ ব্যাবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রনালয় হতে বরাদ্দকৃত ত্রাণের বিবরণঃ**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| জিআর ক্যাশ (টাকা)  | জিআর চাল (মেঃটন) | শুকনা ও অন্যান্য খাবার (কার্টুন)  | তাঁবু (সেট) |
| ৮,০০,০০০ (আট লক্ষ)  | ৫০০ ( পাঁচশত) | ২,০০০ (দুই হাজার)  | ৫০০ (পাঁচ শত) |

**১১। বগুড়া**:

**(ক) বন্যা পরিস্থিতির তথ্য**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| বন্যা পরিস্থিতির বিবরণ | ক্ষয়ক্ষতির বিবরণ | প্রাণহানির সংখ্যা  | মন্তব্য |
| অতিরিক্ত বৃষ্টিপাতের কারণে বন্যার সৃষ্টি হয়েছে।  | \*ক্ষতিগ্রস্ত গ্রামঃ ৯৮টি \*ক্ষতিগ্রস্ত লোকসংখ্যাঃ ৬৬৮০০জন \* ক্ষতিপ্রস্ত ফসলঃ ৮৬০৩ হেক্টর\* নদী ভাংগনে ৩৮৫টি ঘরবাড়ী ভেঙ্গে গেছে।  | নাই | - |

**(খ) দুর্যোগ ব্যাবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রনালয় হতে বরাদ্দকৃত ত্রাণের বিবরণ**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| জিআর ক্যাশ (টাকা)  | জিআর চাল (মেঃটন) | শুকনা ও অন্যান্য খাবার (কার্টুন)  | তাঁবু (সেট) |
| ৮,০০,০০০ (আট লক্ষ)  | ৫০০ (পাঁচ শত) | ২,০০০ (দুই হাজার) | ৫০০ (পাঁচশত) |

**১২। গাইবান্ধা**:

**(ক) বন্যা পরিস্থিতির তথ্য**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| বন্যা পরিস্থিতির বিবরণ | ক্ষয়ক্ষতির বিবরণ | প্রাণহানির সংখ্যা  | মন্তব্য |
| যমুনা-ব্রহ্মপুত্র নদীর ফুলছড়ি পয়েন্টে বিপদসীমার ৩৭ সেঃ মিঃ উপর দিয়ে পানি প্রবাহিত হচ্ছে।  | জেলার ৭ টি উপজেলার মধ্যে ৪টি উপজেলা প্লাবিত হয়েছে। তার মধ্যে ফুলছড়ি উপজেলার ৭টি ইউনিয়নের মধ্যে ৫ টি সম্পুর্ণ এবং ১ টি আংশিক প্লাবিত হয়েছে । সুন্দরগঞ্জ উপজেলার ১৫ ইউনিয়নের মধ্যে ৫ টি ইউনিয়ন প্লাবিত হয়েছে। সদর উপজেলার ৩টি ইউনিয়ন, সাঘাটা উপজেলার ১১টি ইউনিয়নের মধ্যে ৫টি ইউনিয়ন প্লাবিত হয়েছে। জেলার মোট ক্ষতিগ্রস্ত লোক সংখ্য ১,৬৬,৭৪৬ জন । | নাই | জেলায় মোট ৯৫ টি আশ্রয় কেন্দ্র খোলা হয়েছে ২২ টি আশ্রয় কেন্দ্রে ১১,২৫০ জন লোক আশ্রয় নিয়েছি। বন্যায় কেহ আহত বা নিহত হয়নি। |

**(খ) দুর্যোগ ব্যাবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রনালয় হতে বরাদ্দকৃত ত্রাণের বিবরণ**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| জিআর ক্যাশ (টাকা)  | জিআর চাল (মেঃটন) | শুকনা ও অন্যান্য খাবার (কার্টুন)  | তাঁবু (সেট) |
| ৭,৫০,০০০ (সাত লক্ষ পঞ্চাশ হাজার )  | ৪৫০ (চারশত পঞ্চাশ ) | ২,০০০ (চার হাজার ) | ৫০০ (পাঁচশত) |

**১৩। মৌলভীবাজার**:

**(ক) বন্যা পরিস্থিতির তথ্য**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| বন্যা পরিস্থিতির বিবরণ | ক্ষয়ক্ষতির বিবরণ | প্রাণহানির সংখ্যা  | মন্তব্য |
| মৌলভীবাজার জেলার শেরপুর-সিলেট পয়েন্টে কুশিয়ারা নদীর পানি বিপদসীমার ৪২ সেঃমিঃ, মনু নদীর মনু রেলওয়ে ব্রীজ পয়েন্টে বিপদসীমার ৩৭ সেঃমিঃ এবং মৌলভীবাজার পয়েন্টে বিপদসীমার ৩৩ সেঃমিঃ, ধলাই নদীর কমলগঞ্জ পয়েন্টে বিপদসীমার ৪১ সেঃমিঃ উপর দিয়ে প্রবাহিত হচ্ছে। | সদর উপজেলার খলিলপুর ও মনুমুখ ইউনিয়নে ৩/৪ টি গ্রামে বন্যার পানি প্রবেশ করছে। কমলগঞ্জ উপজেলার হিমপুর, আদমপুর ও পৌরসভার কিছু অংশে ২/৩ টি গ্রামে বন্যার পানি প্রবেশ করছে। কমলগঞ্জ উপজেলার পৌরসভার ৯ নম্বর ওয়ার্ডে বামনপাশা নামক স্থানে নির্মাণাধীন ২০ মিটার বাঁধ ভেঙ্গে গেছে। | নাই | বাঁধ নির্মাণের প্রক্রিয়া চলছে। |

**(খ) দুর্যোগ ব্যাবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রনালয় হতে বরাদ্দকৃত ত্রাণের বিবরণঃ**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| জিআর ক্যাশ (টাকা)  | জিআর চাল (মেঃটন) | শুকনা ও অন্যান্য খাবার (কার্টুন)  |
| ৭,৫০,০০০ (সাত লক্ষ পঞ্চাশ হাজার )  | ৪৫০ (চারশত পঞ্চাশ ) | ২,০০০ (দুই হাজার) |

**১৪। হবিগঞ্জ**:

**(ক) বন্যা পরিস্থিতির তথ্য**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| বন্যা পরিস্থিতির বিবরণ | ক্ষয়ক্ষতির বিবরণ | প্রাণহানির সংখ্যা  | মন্তব্য |
| খোয়াই নদীর পানি বাল্লা স্টেশনে বিপদসীমার ৫০ সেঃমিঃ, শায়েস্তাগঞ্জে ৭৯ সে.মি. এবং মাছুলিয়া পয়েন্টে ১২৫ সে.মি. উপর দিয়ে, কুশিয়ারা নদীর শেরপুর পয়েন্টে বিপদসীমার ৫৩ সে.মিঃ উপর দিয়েপ্রবাহিত হচ্ছে।  | ১। ক্ষতিগ্রস্ত উপজেলাঃ ১টি (নবীগঞ্জ)২। ক্ষতিগ্রস্ত ইউনিয়নঃ ২টি৩। ক্ষতিগ্রস্ত গ্রামঃ ৯টি৪। ক্ষতিগ্রস্ত পরিবারঃ ১১০০টি৫। ক্ষতিগ্রস্ত লোকসংখ্যাঃ ৫৫০০ জন৬। ক্ষতিগ্রস্ত যোগাযোগ ব্যবস্থাঃ ১০ কিঃমিঃ৭। ফসলহানীঃ ৭.৫ হেক্টর (আমন বীজতলা) | নাই | ০১টি আশ্রয়কেন্দ্র খোলা হয়েছে। ২০টি পরিবার আশ্রয় গ্রহণ করেছে। |

**(খ) দুর্যোগ ব্যবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রনালয় হতে বরাদ্দকৃত ত্রাণের বিবরণ**:

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| জিআর ক্যাশ (টাকা)  | জিআর চাল (মেঃটন) | শুকনা ও অন্যান্য খাবার (কার্টুন)  |
| ৮,০০,০০০ (আট লক্ষ)  | ৫০০ (পাঁচ শত) | - |

**১৫। ফেনী**:

**(ক) বন্যা পরিস্থিতির তথ্য**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| বন্যা পরিস্থিতির বিবরণ | ক্ষয়ক্ষতির বিবরণ | প্রাণহানির সংখ্যা  | মন্তব্য |
| মৌসুমী বৃষ্টিপাত ও উজান থেকে নেমে আসা পাহাড়ী ঢলের কারণে জেলার ফুলগাজী উপজেলার মুহুরী নদীর বাঁধের ৪টি স্থানে এবং পরশুরাম উপেজেলার মুহুরী ও কহুয়া নদীর ৬টি স্থানে বাঁধ ভেংগে নিম্নাঞ্চল প্লাবিত হয়েছে। | প্রাথমিক তথ্য অনুযায়ী পরশুরাম উপজেলার ১,৮৯৫ টি পরিবার ও ফুলগাজী উপজেলার ৬০ টি পরিবার ক্ষতিগ্রস্ত হয়েছে। | নাই | - |

**(খ) দুর্যোগ ব্যবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রনালয় হতে বরাদ্দকৃত ত্রাণের বিবরণ**:

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| জিআর ক্যাশ (টাকা)  | জিআর চাল (মেঃটন) | শুকনা ও অন্যান্য খাবার (কার্টুন)  |
| ৭,৫০,০০০ (সাত লক্ষ পঞ্চাশ হাজার )  | ৪৫০ (চারশত পঞ্চাশ ) | ৪০০০ (চার হাজার)  |

**১৫। কুড়িগ্রাম**

**(ক) বন্যা পরিস্থিতির তথ্য**:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| বন্যা পরিস্থিতির বিবরণ | ক্ষয়ক্ষতির বিবরণ | প্রাণহানির সংখ্যা  | মন্তব্য |
| গত কয়েকদিনের বৃষ্টিপাত ও উজান থেকে নেমে আসা ঢলের কারণে কুড়িগ্রাম জেলার সকল নদ-নদীর পানি বৃদ্ধি পেয়ে জেলার ধরলা নদীর পানি বিপদসীমার ৪৩ সে.মি., চিলমারীতে ব্রহ্মপুত্র নদের পনি বিপদসীমার ১০২ সে.মি. এবং ফুলছড়ি পয়েন্টে যমুনা নদীর পানি বিপদসীমার ১০৬ সে.মি. উপর দিয়ে প্রবাহিত হচ্ছে।  | ১। ক্ষতিগ্রস্ত উপজেলাঃ ৯টি২। ক্ষতিগ্রস্ত ইউনিয়ন/পৌরসভাঃ ৩৯০টি৩। ক্ষতিগ্রস্ত এলাকাঃ ৩৭৩.৫০ বর্গকিঃমিঃ৪। ক্ষতিগ্রস্ত পরিবার সংখ্যাঃ ১০৩১ (নদী ভাংগন), ৭২৪৮০ ( পানিবন্দি)৫। ক্ষতিগ্রস্ত লোকসংখ্যাঃ ৪১২৪ জন (নদী ভাংগন), ২৮৯৯২০ জন ( পানিবন্দি)৬। ক্ষতিগ্রস্ত প্রতিবন্ধি ব্যক্তিঃ ৪৪৩ জন৭। ক্ষতিগ্রস্ত ঘরবাড়ীঃ ১০৩১ (নদী ভাংগন), ৭২৪৮০ ( পানিবন্দি)৬। ক্ষতিগ্রস্ত জমির পরিমানঃ ৮৯৯ হেক্টর৬। ক্ষতিগ্রস্ত রাস্তাঃ ৭১.৮০ কিঃমিঃ (কাঁচা)৭। ক্ষতিগ্রস্ত শিক্ষা প্রতিষ্ঠানঃ ২ (সম্পুর্ণ), ২৭৫ (আংশিক) | নাই | আশ্রয়কেন্দ্রের সংখ্যাঃ ২১টিআশ্রিত পরিবার সংখ্যাঃ ৮৫০টিআশ্রিত লোক সংখ্যাঃ ৩৮৪০ জন |

**(খ) দুর্যোগ ব্যবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রনালয় হতে বরাদ্দকৃত ত্রাণের বিবরণঃ**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| জিআর ক্যাশ (টাকা)  | জিআর চাল (মেঃটন) | শুকনা ও অন্যান্য খাবার (কার্টুন)  | তাঁবু (সেট) |
| ১,২৫,০০০ | ২২০ | ২০০০ | ৫০০ (পাঁচশত) |

**দুর্যোগ ব্যবস্থাপনা ও ত্রাণ মন্ত্রণালয় কর্তৃক জেলা ভিত্তিক মোট ত্রাণ সামগ্রী বরাদ্দের তথ্য**:

পাহাড়ী ঢল, অতিবৃষ্টি ও পার্বত্য জেলায় পাহাড় ধসের কারণে এবং প্রাকৃতিক দুর্যোগে ক্ষতিগ্রস্তদের মাঝে মানবিক সহায়তা প্রদানের লক্ষ্যে ২০১৯-২০ অর্থ বছরে নিম্নবর্ণিত ত্রাণ সামগ্রী বরাদ্দ করা হয়েছে।

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| তারিখ | জেলার সংখ্যা | জিআর চাল (মেঃটন) | জিআর (ক্যাশ) | শুকনো খাবার (প্যাকেট) | তাঁবু (সেট)  |
| ০১/০৭/২০১৯ | ২৫ জেলা | - | - | ৫৯,০০০ |  |
| ০৭/০৭/২০১৯ | ৬৪ জেলা | ১০,৯৫০ | ১,৭৫,০০,০০০/- | - |  |
| ১১/০৭/২০১৯ | ২২ জেলা | ৬,৬০০ | ১,২০,০০,০০০/- | - |  |
| **১২/০৭/২০১৯** | **১০জেলা** | **-** | **-** | **২০,০০০** |  |
| **১৪/০৭/২০১৯** | **১৫জেলা**  | **-** | **-** | **-** | **৭,৫০০** |
|  **মোট** |  | **১৭,৫৫০(সতের হাজার পাঁচশত পঞ্চাশ)** | **২,৯৫,০০,০০০/ (দুই কোটি পচানব্বই লক্ষ)**  | **৭৯,০০০ (উন আশি হাজার)** | **৭,৫০০ (সাত হাজার পাঁচশত)** |

**অগ্নিকান্ড**: **ফায়ার সার্ভিস ও সিভিল ডিফেন্সের কন্ট্রোল রুম থেকে প্রাপ্ত তথ্য অনুসারে আজ কোথাও কোন উল্লেখযোগ্য অগ্নিকাণ্ড সংঘঠিত হয়নি।**

**#**

**আজমিরী/মাহমুদ/ফারহানা/মোশারফ/আব্বাস/২০১৯/২০৩৮ ঘণ্টা**

Z\_¨weeiYx b¤^i : 2550

**K…wlgš¿xi mv‡\_ †iKwRj G‡MÖv †Kv¤úvwbi cÖwZwbwa`‡ji ˆeVK**

XvKv, 31 Avlvp (15 RyjvB) :

 AvR K…wlgš¿x W. †gvt Avãzi iv¾v‡Ki mv‡\_ mwPevj‡q Zuvi AwdmK‡¶ ReXil Agro Dutch Company Gi cÖwZwbwa`j mvÿvr K‡i| G mgq Rwgi De©iZv e…w×i Rb¨ Zv‡`i D™¢vweZ m¤ú~Y© cÖvK…wZK Bioavailable Silicic Acid wb‡q Av‡jvPbv nq| GQvov `zB †`‡ki K…wl I A\_©bxwZmn bvbv wel‡q Av‡jvPbv nq|

 cÖwZwbwa`‡ji cÖavb wmBm f¨vb w÷ (Cees Van Stee) e‡jb, Zv‡`i D™¢vweZ GB wmwjwmK Rwgi Dei©Zv e…w×mn dm‡ji A‡bK DcKvi K‡i| GwU e¨env‡i ¯^vfvwe‡Ki †P‡q dm‡ji Drcv`b 20 †\_‡K 25 kZvsk e…w× cv‡e| evsjv‡`‡k GwU cix¶vg‚jK ch©v‡q i‡q‡Q Avkv Kiv hvq A‡±ve‡i GUvi djvdj Rvbv hv‡e| B‡Zvg‡a¨ Zviv GwU c…w\_exi wewfbœ †`‡k wewµ K‡i‡Q|

 K…wlgš¿x e‡jb, †WbgvK© evsjv‡`‡ki ¸iæZ¡c‚Y© Dbœqb mn‡hvMx| †Wbgv‡K©i mv‡\_ evsjv‡`‡ki ißvwb cÖvq 700 wgwjqb Wjvi Ges †WbgvK© †\_‡K evsjv‡`k Avg`vwb K‡i cÖvq 100 wgwjqb Wjv‡ii cY¨| K…wlgš¿x Av‡iv e‡jb, evsjv‡`‡ki Lv`¨ wbivcËv e¨e¯’vi DbœwZK‡í †Wbgv‡K©i cÖhyw³i mnvqZv †bIqv †h‡Z cv‡i| 2030 mv‡ji g‡a¨ evsjv‡`‡k cÖvq 40 wewjqb Wjvi we‡`wk wewb‡qvM `iKvi n‡e, hvi g‡a¨ †Wbgv‡K©i D‡jøL‡hvM¨ Ae`vb \_vK‡e e‡j gš¿x Avkv cÖKvk K‡ib |

 G mgq cÖwZwbwa`j evsjv‡`k‡K c‚Y© mn‡hvwMZvi Avk¦vm †`q|

#

wMqvm/gvngy`/mÄxe/AveŸvm/2019/ NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i : 2552

k¨vgcy‡i weAvBWweøDwUGÕi Awfhvb

**42wU A‰ea ¯’vcbv D‡”Q`, 62 jvL UvKvi gvjvgvj wbjvg**

k¨vgcyi (XvKv), 31 Avlvp (15 RyjvB) :

 †bŠcwienb gš¿Yvj‡qi wb‡`©‡k evsjv‡`k Af¨šÍixY †bŠcwienb KZ©…cÿ (weAvBWweøDwUG) b`x Zxi `Ljgy³ Ki‡Z AvR XvKv b`x e›`‡ii AvIZvaxb k¨vgcyi jÂNv‡Ui cwðg cvk †\_‡K gywÝ‡Lvjv ch©šÍ eywoM½v b`xi DËi cv‡o mvZwU AvavcvKv feb, 12wU evDÛvwi Iqvj, 23wU wU‡bi Nimn †gvU 42wU A‰ea ¯’vcbv D‡”Q`, cvuP GKi Zxif~wg Aegy³ Ges 62 jvL 58 nvRvi UvKvi gvjvgvj wbjvg K‡i‡Q|

 D‡”Q` Kv‡R evav cÖ`vb Kivq `yÕRb‡K 30 nvRvi UvKv Rwigvbv Kiv n‡q‡Q| AvMvgxKvj 16 RyjvB, g½jevi mKvj 9Uv †\_‡K eywoM½v cÖ\_g †mZz (†cv¯Í‡Mvjv †mZz) Gi `wÿY cÖv‡šÍi bxP †\_‡K D‡”Q` Awfhvb Pj‡e|

#

Rvnv½xi/gvngy`/†gvkvid/Rqbyj/2019/2025NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i : 2549

**cve©Z¨ PÆMÖvg welqK gš¿Yvj‡qi 21Zg cÖwZôvevwl©Kx cvwjZ**

XvKv, 31 Avlvp (15 RyjvB) :

 AvR cve©Z¨ PÆMÖvg welqK gš¿Yvj‡qi m‡¤§jb K‡ÿ gš¿Yvj‡qi 21Zg cÖwZôvevwl©Kx D`&hvcb Dcj‡ÿ Av‡jvPbv mfv AbywôZ nq| gš¿x exi evnv`yi D‰kwms cÖavb AwZw\_ wn‡m‡e mfvq Dcw¯’Z wQ‡jb|

 G mgq gš¿x e‡jb, cÖavbgš¿x †kL nvwmbvi mw`”Qvq cve©Z¨ kvwšÍPzw³ m¤úvw`Z n‡q‡Q, f~wg mgm¨vi mgvav‡b Kvh©Ki c`‡ÿc Ges Pzw³i c~Y© ev¯Íevq‡b KvR GwM‡q Pj‡Q| mv‡\_ mv‡\_ cve©Z¨ AÂ‡ji `„k¨gvb †UKmB Dbœqb mvwaZ n‡”Q| cve©Z¨evmxi Rxebgv‡bi hLbB `ªæZ DbœwZ NU‡Q ZLbB GKwU †Mvôx wew”Qbœfv‡e AbvKvw•ÿZ I AcÖZ¨vwkZ NUbvi m~ÎcvZ Kivi †Póv Ki‡Q, hv †Kv‡bvfv‡eB ei`v¯Í Kiv n‡e bv|

 gš¿x mgm¨v mgvav‡b AvšÍwiK I †mŠnv`©¨c~Y© cwi‡e‡k Av‡jvPbvi gva¨‡g GKwU DbœZ I mg„× cve©Z¨ PÆMÖvg wbg©v‡Y mswkøó mK‡ji cÖwZ AvnŸvb Rvbvb|

 exi evnv`yi D‰kwms Av‡iv e‡jb, RvwZi wcZv e½eÜz †kL gywReyi ingvb cve©Z¨ AÂ‡ji AMÖvwaKvig~jK cwiKwíZ Dbœq‡bi iƒc‡iLv cÖYbq I ev¯Íevq‡bi Av‡MB Zuv‡K nZ¨v Kiv nq| cÖavbgš¿x †kL nvwmbv Zuvi ¯^cœ‡K ïay GwM‡qB †bbwb, Zv ev¯Íevqb K‡i cve©Z¨ AÂ‡ji kvwšÍ I m¤úªxwZ wdwi‡q G‡b‡Qb| hvi avivevwnKZv iÿvq Avgv‡`i mevB‡K GK‡hv‡M KvR Ki‡Z n‡e|

 gš¿Yvj‡qi AwZwi³ mwPe igv ivYx iv‡qi mfvcwZ‡Z¡ mfvq we‡kl AwZw\_ wn‡m‡e Dcw¯’Z wQ‡jb cve©Z¨ PÆMÖvg Dbœqb †ev‡W©i †Pqvig¨vb be weµg wK‡kvi wÎcyiv, ¯^vMZ e³e¨ iv‡Lb gš¿Yvj‡qi AwZwi³ mwPe my`Ë PvKgv| Abyôv‡b Av‡iv Dcw¯’Z wQ‡jb iv½vgvwU cve©Z¨ †Rjv cwil‡`i †Pqvig¨vb e„l‡KZz PvKgv, LvMovQwo cve©Z¨ †Rjv cwil‡`i †Pqvig¨vb KsRix †PŠayix, fviZ cÖZ¨vMZ kiYv\_©x welqK Uv¯‹‡dvm© cÖavb wbe©vnx Kg©KZ©viv K…òc` PvKgv cÖgyL| GQvov, †`wk-we‡`wk wewfbœ mn‡hvMx ms¯’vi cÖwZwbwa I gš¿Yvj‡qi EaŸ©Zb Kg©KZ©viv Dcw¯’Z wQ‡jb|

#

RyjwdKvi/dvinvbv/iwdKzj/Rqbyj/2019/1940NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i : 2548

**RvwZi wcZvi cÖwZK…wZ‡Z gwnjv I wkï welqK cÖwZgš¿xi cy®úvN©¨ Ac©Y**

XvKv, 31 Avlvp (15 RyjvB) :

 gwnjv I wkï welqK gš¿Yvj‡qi bewbhy³ cÖwZgš¿x dwRjvZzb †bmv AvR ivRavbxi avbgwÛ 32 b¤^‡i e½eÜy ¯§„wZ Rv`yN‡ii mvg‡b RvwZi wcZv e½eÜy †kL gywReyi ingv‡bi cÖwZK…wZ‡Z cy®úvN©¨ Ac©‡Yi gva¨‡g kÖ×v wb‡e`b K‡ib|

 GKB mg‡q cÖevmx Kj¨vY I ‰e‡`wkK Kg©ms¯’vb gš¿x Bgivb Avng` RvwZi wcZv e½eÜy †kL gywReyi ingv‡bi cÖwZK…wZ‡Z cy®úvN©¨ Ac©‡Yi gva¨‡g kÖ×v wb‡e`b K‡ib|

 kÖ×v wb‡e`b †k‡l cÖwZgš¿x Dcw¯’Z mvsevw`K‡`i cÖ‡kœi Rev‡e e‡jb, Ô†`‡ki RbmsL¨vi A‡a©KB bvix Ges Avgv‡K gwnjv I wkï welqK gš¿Yvj‡qi `vwqZ¡ †`Iqvq cÖavbgš¿xi cÖwZ K…ZÁZv cÖKvk KiwQ|Õ G mgq wZwb bvix Dbœqb, bvixi ÿgZvqb, bvixi mg-AwaKvi Ges mggh©v`v cÖwZôv, bvix I wkï wbh©vZb cÖwZ‡iv‡a Zuvi gš¿Yvj‡qi Kg©cwiKíbv wel‡q K\_v e‡jb|

 G mgq evsjv‡`k AvIqvgx jxM I evsjv‡`k gwnjv AvIqvgx jx‡Mi †bZ…e„›` Dcw¯’Z wQ‡jb|

#

AvjgMxi/gvngy`/iwdKzj/Rqbyj/2019/1850NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i : 2547

†Rjv cÖkvmK m‡¤§jb-2019

 **gv**÷**vi cø¨vb K‡i cwiKwíZ †`k Mo‡Z we`y¨r cÖwZgš¿xi AvnŸvb**

XvKv, 31 Avlvp (15 RyjvB) :

 we`y¨r, R¡vjvwb I LwbR m¤ú` cÖwZgš¿x bmiæj nvwg` †Rjv cÖkvmK‡`i D‡Ï‡k e‡j‡Qb, ¯’vbxqfv‡e cÖwZwU Dc‡Rjvq gv÷vi cø¨vb K‡i cwiKwíZ †`k Mo‡Z mnvqZv Kiæb| D™¢vebx aviYv-wPšÍv-†PZbv ev¯Íevqb I cÖmv‡i †Rjv cÖkvmK‡`i KvR Kivi e¨vcK my‡hvM i‡q‡Q|

 cÖwZgš¿x AvR mwPevj‡q †Rjv cÖkvmK m‡¤§jb-2019 G e³e¨Kv‡j Gme K\_v e‡jb| wZwb Av‡iv e‡jb, gvV ch©vq †\_‡K my¯úó cÖ¯Íve Avm‡j bxwZ wba©viYx ch©v‡q `ªæZZvi mv‡\_ wm×všÍ wb‡Z mnR nq|

 cÖwZgš¿x cwiKwíZ GjvKv ev‡` wkí-Kj-KviLvbv ¯’vcb ev ¯’vc‡bi cÖ¯Íve †`qv †\_‡K †Rjv cÖkvmK‡`i weiZ \_vK‡Z AvnŸvb Rvbvb| wZwb e‡jb, A\_©‰bwZK †Rvb ev wba©vwiZ ¯’vb e¨ZxZ wkí-KviLvbv ¯’vcbvq Avi †Kv‡bv M¨vm-we`y¨r ms‡hvM †`qv n‡e bv| wZwb evjy ev LwbRevjy D‡Ëvj‡b BRviv †`qv I ¯’vb wba©vi‡Y Av‡iv mZK©Zv Aej¤^b Kivi Aby‡iva Rvbvb| wZwb e‡jb, ch©vqµ‡g cv\_i †Kvqvwi BRviv ev jvB‡mÝ cÖ`vb eÜ K‡i †`qv n‡e|

 wcÖ-†c‡g›U wgUvi wb‡q cjøx we`y¨r GjvKvq mgm¨v m¤ú‡K© we`y¨r cÖwZgš¿x e‡jb, AvaywbK ¯§vU©
wcÖ-†c‡g›U wgUvi Ges cwiKwíZ †jvW g¨v‡bR‡g›U Gme mgm¨v mgvavb Ki‡e| we`y¨r wefvM AwP‡iB G wel‡q cjøx we`y¨Zvqb †evW© I mswkøó‡`i wb‡q mfv Ki‡e| eR©¨ e¨e¯’vcbvq †Rjv cÖkvmKMY Av‡iv `vwqZ¡kxj Ae`vb ivL‡Z cv‡i|

 cÖwZgš¿x †Rjv cÖkvmK‡`i ab¨ev` Rvwb‡q e‡jb, evwl©K Kg©m¤úv`b Pzw³ ev¯Íevq‡b we`y¨r wefvM cÖ\_g Ges R¡vjvwb I LwbR m¤ú` wefvM Z…Zxq n‡q‡Q, hvi wcQ‡b †Rjv cÖkvmK‡`i Zvrch©c~Y© Ae`vb i‡q‡Q|

 we`y¨r wefvM m¤úwK©Z †Rjv cÖkvmK‡`i cÖ‡kœi DËi †`b we`y¨r wefv‡Mi wmwbqi mwPe W. Avng` KvqKvDm Ges R¡vjvwb I LwbR m¤ú` wefvM m¤úwK©Z cÖ‡kœi DËi †`b G wefv‡Mi mwPe Avey †nbv †gvt ivngvZzj gywbg|

 #

Avmjvg/gvngy`/Abm~qv/mÄxe/Rqbyj/2019/1840NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i: 2546

**†Rjv cÖkvmK m‡¤§jb-2019**

 **gvbm¤§Z wkÿv wbwðZKi‡Y cÖv\_wgK I MYwkÿv mwP‡ei AvnŸvb**

XvKv, 31 Avlvp (15 RyjvB) :

 †`‡ki mvwe©K Dbœq‡bi Ask wn‡m‡e cÖv\_wgK I MYwkÿv gš¿Yvj‡qi Kvh©µg ev¯Íevq‡b †Rjv cÖkvmK‡`i Askx`vwiZ¡ I Zv‡`i ¸iæZ¡c~Y© f~wgKv i‡q‡Q e‡j cÖv\_wgK I MYwkÿv mwPe
†gvt AvKivg-Avj-‡nv‡mb Rvbvb| †mvgevi †Rjv cÖkvmK m‡¤§j‡bi wØZxq w`‡b cÖv\_wgK I MYwkÿv gš¿Yvj‡qi Dc¯’vcbvq wZwb G K\_v e‡jb|

 mwPe e‡jb, cÖv\_wgK wkÿv mgvcbx cixÿv myôy I ¯^”QZvi mv‡\_ wbwe©‡Nœ Abyôvb, cÖv\_wgK we`¨vj‡qi wkÿK-Kg©Pvix wb‡qv‡M mfvcwZi I we`¨vjq RvZxqKi‡Y MwVZ †Rjv Uv¯‹‡dv‡m©i cÖavb wn‡m‡e `vwqZ¡ cvjb, MYwkÿv Kvh©µg mdjfv‡e ev¯Íevqb Ges Dbœqb cÖKí cwi`k©b Kv‡R †Rjv cÖkvmKMY ¸iæZ¡c~Y© f~wgKv cvjb K‡i Avm‡Qb|

 eZ©gvb miKv‡ii mwVK c`‡ÿc MÖn‡Yi d‡j cÖv\_wgK wkÿvq ¸YMZ cwieZ©b G‡m‡Q D‡jøL K‡i mwPe Rvbvb, QvÎ-wkÿK AbycvZ wba©vwiZ 1:46 Gi ¯’‡j eZ©gv‡b 1:36 G DbœxZ n‡q‡Q Ges S‡i covi nvi I QvÎ-QvÎx Abycw¯’wZi nvi µgvMZ n«vm cv‡”Q|

 cÖwZwU wkïi Rb¨ gvbm¤§Z wkÿv wbwðZKiY mvsweavwbK `vwqZ¡ D‡jøL K‡i mwPe e‡jb, GgwWwR AR©‡bi ci RvwZmsN †NvwlZ †UKmB Dbœqb jÿ¨gvÎv (GmwWwR) ev¯Íevq‡bi Ask wn‡m‡e mKj †Q‡j-‡g‡qi Rb¨ m¤ú~Y© A‰eZwbK, GKxf~Z, gvbm¤§Z I Rxebe¨vcx cÖv\_wgK wkÿv wbwðZKi‡Yi Rb¨ miKvi me©vZ¥K cÖ‡Póv Pvwj‡q hv‡”Q|

 gwš¿cwil` mwPe †gvnv¤§` kwdDj Avj‡gi mfvcwZ‡Z¡ m‡¤§j‡b cÖavb AwZw\_ wn‡m‡e wkÿvgš¿x Wv. `xcy gwb I we‡kl AwZw\_ wn‡m‡e wkÿv Dcgš¿x gwneyj nvmvb †PŠayix Dcw¯’Z wQ‡jb |

#

†g‡n`x/Abm~qv/bvwQi/iwe/kvgxg/2019/1556 NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i: 2545

**`y‡h©v‡Mi Z\_¨ Av`vb-cÖ`v‡b †Uvj wd« 1090 b¤^‡i †dvb Kiv hv‡e**

XvKv, 31 Avlvp (15 RyjvB) :

 `y‡h©vM cwiw¯’wZ gwbUwis Kivi Rb¨ `y‡h©vM e¨e¯’vcbv I ÎvY gš¿Yvj‡qi RvZxq `y‡h©vM mvov`vb mgš^q †K›`ª mßv‡n 7 w`b 24 N›Uv †Lvjv \_v‡K| G msµvšÍ †h †Kvb Z\_¨ Av`vb-cÖ`v‡bi Rb¨Õ †Uwj‡dvb b¤^it 9545115, 9549116, 9540454, †gvevBj b¤^i: 01841318745, d¨v· b¤^it 9540567, 9575000 Ges Email:ndrcc@modmr.gov.bd/ndrcc.dmrd@gmail.com G †hvMv‡hvM Kivi Rb¨ Aby‡iva Kiv n‡q‡Q|

 GQvovI †h‡Kvb `y‡h©v‡Mi AvMvg evZ©v cvIqvi Rb¨ `y‡h©vM e¨e¯’vcbv I ÎvY gš¿Yvj‡qi 1090 †Uvj wd« b¤^‡i Wvqvj Kivi Rb¨ Aby‡iva Rvbv‡bv n‡q‡Q|

#

†mwjg/Abm~qv/bvwQi/iwe/Rmxg/kvgxg/2019/1506 NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i: 2544

**wbDBq‡K© AbywôZ †mwgbv‡i cÖevmx‡`i †gav I AwfÁZv**

**w`‡q †`‡ki Dbœq‡b GwM‡q Avmvi AvnŸvb cwiKíbv gš¿xi**

wbDBqK©, 15 RyjvB 2019 :

†`‡ki Dbœq‡b cÖevmx evsjv‡`wk‡`i AskMÖnY †Rvi`vi Kivi j‡ÿ¨ †iveevi wbDBq‡K© ÔGbAviwe Gb‡MR‡g›U: `¨ I‡q d‡ivqvW©Õ kxl©K w`be¨vcx GK †mwgbvi AbywôZ nq| A\_© gš¿Yvj‡qi A\_©‰bwZK m¤úK© wefv‡Mi Av‡qvR‡b GB †mwgbv‡i mn-Av‡qvRK wQj GUyAvB, †Kwe‡bU wWwfkb, AvBwmwU wWwfkb, BDGmGBW, BDGbwWwc, ciivóª gš¿Yvjq I †emiKvwi ms¯’v weªR Uz evsjv‡`k|

†mwgbv‡i cÖavb AwZw\_ wn‡m‡e Dcw¯’Z wQ‡jb RvwZms‡Ni D”Pch©v‡qi ivR‰bwZK †dviv‡g †hvM`vb Dcj‡ÿ wbDBqK© mdiiZ cwiKíbv gš¿x †gvnv¤§` Avãyj gvbœvb| we‡kl AwZw\_ wn‡m‡e †hvM †`b RvwZms‡N wbhy³ evsjv‡`‡ki ¯’vqx cÖwZwbwa I ivóª`~Z gvmy` web †gv‡gb I wbDBqK©¯’ evsjv‡`k Kbmy¨‡j‡Ui Kbmvj †Rbv‡ij mvw`qv dqRy‡bœQv| ¯^vMZ e³e¨ iv‡Lb weªR Uz evsjv‡`k Gi †Pqvig¨vb AvRv`yj nK|

cwiKíbv gš¿x e‡jb, RvwZi wcZv e½eÜz †kL gywReyi ingvb Avgv‡`i ¯^vaxbZv w`‡q †M‡Qb| Avi cÖavbgš¿x †kL nvwmbvi A`g¨ †bZ…‡Z¡ Avgiv AvR Dbœq‡bi gnvmo‡K DcbxZ n‡qwQ| evsjv‡`k AvR we‡k¦i we¯§q| wZwb e‡jb, evsjv‡`k AvR K…wl‡Z ¯^qsm¤ú~Y©| Pvj, Wvj, mewR gvQ gvsmmn wbZ¨ cÖ‡qvRbxq Lv`¨cY¨ Drcv`‡b Avgiv D`vniY m„wó K‡iwQ| Gwkqvb †W‡fjc‡g›U e¨vs‡Ki mv¤úªwZK Z‡\_¨i wnmve g‡Z evsjv‡`k Gwkqv c¨vwmwdK AÂ‡j me‡P‡q `ªæZ cÖe„w× AR©bKvix †`k|

†`‡ki Dbœq‡b cÖevmx‡`i Ae`v‡bi K\_v D‡jøL K‡i gš¿x e‡jb, GK †KvwUiI †ewk cÖevmx evOvwj cÖev‡m †\_‡K evsjv‡`‡ki Dbœq‡b Ae`vb †i‡L P‡j‡Qb| †iwg‡UÝ †cÖiY Ki‡Qb hv †`‡ki A\_©bxwZi Ab¨Zg PvwjKv kw³|

 cwiKíbvgš¿x e‡jb, evsjv‡`‡k wewb‡qv‡Mi AbyK~j cwi‡ek weivR Ki‡Q| cÖevmx‡`i †`‡k wewb‡qvM I Dbœqb AMÖhvÎvq AskMÖn‡Y wZwb AvnŸvb Rvbvb| evsjv‡`‡k we‡kl A\_©‰bwZK AÂj cÖwZôvmn wewb‡qv‡Mi DbœZ cwi‡ek m„wó I cÖevmx‡`i Kj¨v‡Y cÖavbgš¿x †h D`viZv wb‡q KvR Ki‡Qb Zv D‡jøL K‡ib wZwb|

w`be¨vcx Av‡qvwRZ †mwgbv‡i Ômvm‡UB‡bej GbvwR©: `¨ I‡q d‡ivqvW© di evsjv‡`kÕ wk‡ivbv‡g Av‡iKwU mvBW B‡f‡›Ui Av‡qvRb Kiv nq| G Abyôv‡b cÖavbgš¿xi R¡vjvwb welqK Dc‡`óv W. †ZŠwdK-B-Bjvnx †PŠayix cÖavb AwZw\_ wn‡m‡e Dcw¯’Z wQ‡jb|

#

Abm~qv/bvwQi/iwe/kvgxg/2019/1447 NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i: 2543

**û‡mBb gynv¤§` Gikv‡`i RvbvRv AbywôZ**

XvKv, 31 Avlvp (15 RyjvB) :

 GKv`k RvZxq msm‡`i we‡ivax`jxq †bZv, mv‡eK ivó«cwZ I RvZxq cvwU©i †Pqvig¨vb û‡mBb gynv¤§` Gikv‡`i RvbvRv msm` fe‡bi `wÿY cøvRvq AbywôZ n‡q‡Q|

 ivó«cwZ †gvt Ave`yj nvwg` RvbvRvq kwiK nb Ges û‡mBb gynv¤§` Gikv` Gi Kwd‡b cy¯úvN©¨ Ac©Y K‡ib| cÖavbgš¿x †kL nvwmbvi c‡ÿ Zuvi mvgwiK mwPe, w¯úKv‡ii c‡ÿ mv‡R©›U A¨vU Avg©m, †WcywU w¯úKvi †gvt dR‡j iveŸx wgqv, evsjv‡`k AvIqvgx jx‡Mi cÿ †\_‡K `‡ji wmwbqi †bZ…e„›`, RvZxq cvwU©i cÿ †\_‡K RvZxq cvwU©i fvicÖvß †Pqvig¨vb †Mvjvg †gvnv¤§` Kv‡`i `jxq †bZ…e„›`‡K mv‡\_ wb‡q û‡mBb gynv¤§` Gikv` Gi Kwd‡b cy¯úvN©¨ Ac©Y K‡ib|

 RvbvRvq ¯^ivó«gš¿x Avmv`y¾vgvb Lvb Kvgvj, ¯^v¯’¨gš¿x Rvwn` gv‡jK, K…wlgš¿x W. Avãyi iv¾vK, Z\_¨gš¿x W. nvQvb gvn&gy`, evwYR¨ gš¿x wUcy gybwk, †kL dRjyj Kwig †mwjg, gvneye Dj Avjg nvwbd, dR‡j b~i Zvcm, kvgmyj nK UzKz, G we ZvRyj Bmjvg, K‡Y©j Ae dviæK Lvb, G we Gg dR‡j Kwig †PŠayix, mv‡ei †nv‡mb †PŠayix, †gRi †Rbv‡ij (Ae:) mywe` Avjx f~uBqv, †gv¯ÍvwdRzi ingvb wdRvi, Avãym †mvenvb †Mvjvc, KvRx wd‡ivR ikx`, Avwbmyj Bmjvg gvngy`, ‰mq` Avey nvmvb evejv, gwkDi ingvb iv½v, e¨vwióvi gI`y` Avng`, G we Gg iæûj Avwgb nvIjv`vi, `jxq †bZ…e„›`, msm` mwPevj‡qi Kg©KZ©v-Kg©Pvixe„›` I MY¨gvb¨ e¨w³eM© kwiK nb|

 D‡jøL¨, û‡mBb gynv¤§` Gikv` †mvgevi 14 RyjvB XvKvi mw¤§wjZ mvgwiK nvmcvZv‡j g„Zz¨eiY K‡ib (Bbœv wjjøvwn....... ivwRDb)| g„Zz¨Kv‡j Zuvi eqm n‡qwQj 89 eQi| wZwb ¯¿x, wZbcyÎ I GK Kb¨vmn AmsL¨ ¸YMÖvnx †i‡L †M‡Qb|

#

ZvwiK/Abm~qv/bvwQi/Rmxg/kvgxg/2019/1458 NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i : 2542

**Z\_¨ cÖwZgš¿xi k¦ïi bvRgyj Avnmv‡bi g„Zz¨‡Z Z\_¨gš¿xi †kvK**

XvKv, 31 Avlvp (15 RyjvB) :

 Z\_¨ cÖwZgš¿x Wvt †gvt gyiv` nvmv‡bi k¦ïi †gvt bvRgyj Avnmv‡bi g„Zz¨‡Z Mfxi †kvK I `ytL cÖKvk K‡i‡Qb Z\_¨gš¿x W. nvQvb gvn&gy`|

 †gvt bvRgyj Avnmvb †mvgevi mKvj mv‡o mvZUvq XvKvq e½eÜz †kL gywRe †gwW‡Kj wek¦we`¨vjq nvmcvZv‡j wPwKrmvaxb Ae¯’vq B‡šÍKvj K‡ib| g„Zz¨Kv‡j Zuvi eqm n‡qwQj 80 eQi|

 Z\_¨gš¿x cÖqv‡Zi AvZ¥vi kvwšÍ Kvgbv K‡ib I †kvKmšÍß cwiev‡ii cÖwZ Mfxi mg‡e`bv Rvbvb|

#

AvKivg/Abm~qv/Rmxg/Avmgv/2019/1130 NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i : 2541

**¯Œj AvKv‡i cÖPv‡ii Rb¨**

**mKj B‡jKUªwbK wgwWqv**

XvKv, 31 Avlvp (15 RyjvB) :

 mKj B‡jKUªwbK wgwWqvq wb‡¤œv³ welqwU ¯Œj AvKv‡i cÖPvi Kivi Rb¨ Aby‡iva Kiv n‡jv :

 মাননীয় তথ্য প্রতিমন্ত্রী ডাঃ মোঃ মুরাদ হাসান এমপি মহোদয়ের শ্বশুর জনাব মোঃ নাজমুল এহসান বয়স-৮০ কোলন ক্যান্সারে আক্রান্ত হয়ে চিকিৎসাধীন অবস্থায় বঙ্গবন্ধু শেখ মুজিব মেডিকেল বিশ্ববিদ্যালয়ে আজ সকাল ৭ টায় ইন্তেকাল করেন ( ইন্না লিল্লাহি ওয়া ইন্না ইলাইহি রাজিউন)।

#

Abm~qv/Avmgv/2019/1130 NÈv